GLOBUS

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत संस्कारों पर चर्चा एवं सुंदरकांड पाठ आयोजित

नर्मदापुरम, दिनांक 13 अक्टूबर 2026।

पीएमसीओई शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्राचीन वैदिक एवं महाकाव्य काल में प्रचलित संस्कारों के महत्व पर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. राम कुमार चौकसे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कल्पना विश्वास तथा समन्वयक डॉ. के. जी. मिश्रा रहे।

कार्यक्रम में प्राचीन भारतीय संस्कृति, वैदिक एवं महाकाव्य काल के संस्कारों, नैतिक मूल्यों, जीवन आदर्शों तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में उनकी महत्ता को समझाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि संस्कार व्यक्ति के चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ सुंदरकांड का पाठ किया गया। सुंदरकांड के माध्यम से विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों तथा हनुमान जी की भक्ति, साहस, समर्पण, सेवाभाव और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना था।

कार्यक्रम में डॉ. ममता गर्ग, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. मीना कीट, डॉ. सुनील दिवाकर, डॉ. मंजू मालवीय, डॉ. भारती सेवतिया, डॉ. संतोष अहिरवार, डॉ. धर्मेंद्र कोरी, डॉ. अंजना यादव, डॉ. कुमुदिनी गढ़वा, डॉ. प्रियंका, डॉ. अर्चना, ज्योति दीवान, सुमेर सिंह एवं डॉ. राजीव सहित महाविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।विशेष योगदान धर्मेंद्र कटारे, अमन मेहरा, आयुष, सूरज, वेदांत, शिवांशु